

# བོད་སྐད་ཀྱི་ཚིང་གཞི

(1979 ལོ)

རྒྱ་གར་གྱི་སྐད་



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(1979 年)

དེབ་གཉིས་པ།

ཐད་ཀྱི་དཔེ་དང་མཚུ་སྟེན། རྒྱ་བྱེད།

འཕྲོད་བསྟེན་ཅུས་ནས་བཟློགས།

ཀན་སྤྱུ། ཡུན་ནན། རིན་ཅང་གི་

མཚོ་རྒྱན་མི་དགའ་དཔེ་རྒྱན་ཁང་།

བད་མཁན་གྱི་ཆད་གཞི།

(1979 ལོ་)

དེ་བ་གཉིས་པ།

ཞིང་ཆེན་དང་རང་རྒྱུང་ལྷོང་ས་ཁུག་གི་འཕྲོད་བསྟེན་ཚུལ་ནས་བསྒྲིགས།

ལཱ་ཆེན་མི་རིགས་དཔེ་སྟུན་ཁང་གིས་པར་དུ་བསྐྱུན་པ།

ལཱ་ཆེན་ཞིང་ཆེན་ཞིན་ཏུ་དཔེ་ཁང་གིས་བཟུམ་པ།

ལཱ་ཆེན་མི་རིགས་པར་ཁང་གིས་དཔར།

དེ་བ་རེར་སྒྲིང་ 2. 50

# **藏 药 标 准**

(1979年)

第二册

(藏文版)

六省区卫生局编

青海民族出版社出版

(西宁市西关大街76号)

青海省新华书店发行 青海民族印刷厂印刷

开本: 787×1092 毫米1/32 印张: 16

1980年5月第1版 1980年5月第1次印刷

印数1——3,500

统一书号: M14181·8 定价: 2.50元

# དཀར་ཆག

## བོད་མཁས་རྒྱུ་བ

| ཀ                       | ག                  |
|-------------------------|--------------------|
| ཀ་ཀོ་ལ། .....1          | ག་ཏུ་ར། .....20    |
| ཀ་མེད། .....4           | གི་མང། .....22     |
| ཀོ་བྱི་ལ། .....5        | གུ་ར་གུ་མ། .....25 |
| ཀན་ཐ་ཀ་མི། .....7       | གོ་ཚོད། .....27    |
| གྱི་ཚེ་དཀར་པོ། .....9   | གོ་ཐལ། .....28     |
| ཚུ་ཏུ་ར། .....10        | གོ་ལྷ། .....29     |
| ཚུ་ར་གུ་ན། .....12      | གང་ག་ཚུར། .....32  |
| མུ་བཏུང་རྩོ་ཐེ། .....13 | གར་ནག .....33      |
|                         | མཚོན་བྱ། .....35   |
| ཁ                       | ག་མ་མིང། .....36   |
| ཁམ་བུ་རག་གི། .....15    | གུ་བཞི། .....37    |
| མཁལ་མ་ཞོ་གི། .....17    | གུ་ཚུགས། .....39   |
| མཁན་པ་མེར་པོ། .....19   | གུ་ཚོ། .....41     |

|          |         |
|----------|---------|
| ལྷ་མ་ལོ། | .....42 |
| ལྷ་པ་ལྷ། | .....43 |
| ལྷ་པ་ལྷ། | .....46 |
| ལྷ་པ་ལྷ། | .....47 |
| ལྷ་པ་ལྷ། | .....48 |
| ལྷ་ལྷ།   | .....50 |
| ལྷ་པ་ལྷ། | .....55 |

ད

|           |         |
|-----------|---------|
| ལྷ་ལྷ་ལྷ། | .....56 |
| ལྷ་ལྷ།    | .....57 |
| ལྷ་ལྷ།    | .....59 |

ཅ

|        |         |
|--------|---------|
| ལྷ་ལྷ། | .....61 |
| ལྷ་ལྷ། | .....62 |
| ལྷ་ལྷ། | .....64 |
| ལྷ་ལྷ། | .....66 |
| ལྷ་ལྷ། | .....68 |
| ལྷ་ལྷ། | .....69 |
| ལྷ་ལྷ། | .....70 |
| ལྷ་ལྷ། | .....72 |

|        |         |
|--------|---------|
| ལྷ་ལྷ། | .....74 |
|--------|---------|

ཆ

|        |         |
|--------|---------|
| ལྷ་ལྷ། | .....76 |
| ལྷ་ལྷ། | .....80 |

ད

|        |         |
|--------|---------|
| ལྷ་ལྷ། | .....81 |
|--------|---------|

ཉ

|        |         |
|--------|---------|
| ལྷ་ལྷ། | .....82 |
|--------|---------|

ཉ

|        |          |
|--------|----------|
| ལྷ་ལྷ། | .....83  |
| ལྷ་ལྷ། | .....85  |
| ལྷ་ལྷ། | .....86  |
| ལྷ་ལྷ། | .....90  |
| ལྷ་ལྷ། | .....91  |
| ལྷ་ལྷ། | .....93  |
| ལྷ་ལྷ། | .....95  |
| ལྷ་ལྷ། | .....98  |
| ལྷ་ལྷ། | .....100 |

ལྷ་རྒྱུ་ཁྱ་རྒྱ། ..... 102

བ

བ་རྒྱ། ..... 103

བ་རྒྱ་དྲ་རྒྱ། ..... 104

བ་རྒྱ་ནག་པོ། ..... 107

བ་ལ་ཀ་རྒྱ། ..... 108

ད

ད་ལིས་མེ་རྒྱ། ..... 111

ད་བ། ..... 112

དྲ་ག། ..... 115

དྲ་མ་མིས། ..... 116

དྲ་མ་ནག་དྲ་མ་མིས། ... 118

དྲ་རྒྱ། ..... 120

དྲ་མ་མིས། ..... 121

ན

ན་ག་གིས། ..... 123

ན་ག་(པ་ད་མ)གིས། ... 125

བ

བ་ལག་པ། ..... 126

བི་བི་ལིང་། ..... 127

བར་བ་ཏ། ..... 129

བི་ཡང་ཀ། ..... 131

བར་ཀྱན་དྲ་རྒྱ། ..... 133

བར་ཆེན་ཀྱུ། ..... 135

བར་ཕྱི་དྲ་པོ། ..... 136

བར་མོས། ..... 138

བྱ་ནག། ..... 140

བ

བག་ཁྱག། ..... 142

བ་བ་མིས། ..... 143

བྱ་རྒྱ་པོ། ..... 145

བ

བ་རྒྱ་ར། ..... 147

བ་ལི་ག། ..... 149

བ་ཀྱུ། ..... 150

བི་ལ་བ། ..... 151

བྱ་ལ་རྒྱ། ..... 152

བོད་དྲ་རྒྱ། ..... 153

དབང་ལག། ..... 155

|                  |          |
|------------------|----------|
| བུ་ཚོ་ད་མོ་ས།    | .....157 |
| བྱང་ཁ།           | .....159 |
| བུ་ཚོ་ད་ལྷག་པ།   | .....161 |
| བྱི་རྒྱ་ལ།       | .....162 |
| བྱི་བཟུང་།       | .....164 |
| དབྱི་མང་དཀར་པོ།  | .....166 |
| འབྲུ་ལྷ་རྒྱ་ལ།   | .....169 |
| འབྲི་མོག་.....   | 170      |
| འབྲི་རྒྱ་ས་འཛིན། | .....171 |
| འབྲུག་སོ།        | .....173 |
| འབྲུག་རུ་ས།      | .....175 |
| འབྲོང་ལྷིང་།     | .....178 |
| བྲག་མོ་ས།        | .....180 |
| ཡེ་ག་            | .....182 |
| ཡང་ཅི།           | .....183 |

### མ

|                |          |
|----------------|----------|
| མ་རུ་ཅི།       | .....185 |
| མ་ལྷ།          | .....186 |
| ལྷ་རྒྱ་ལ།      | .....189 |
| ལྷ་མི།         | .....191 |
| མིང་ཅན་སེར་པོ། | .....193 |

མི་ས་བཅོས་གི་སང་།

|                 |          |
|-----------------|----------|
| (གི་སང་ལས་ས། )  | ...194   |
| མི་རྒྱ་ལྷག་མིག་ | .....196 |

### ཕ

|                 |          |
|-----------------|----------|
| ཅན་དན།          | .....197 |
| གཅོད་ར།         | .....199 |
| པཅོད།           | .....201 |
| ཅི་ཅི་ས་འཛིན།   | .....204 |
| ཅི་རྒྱ་ག་       | .....205 |
| ལྷ་མཁྱིས་བཅོ་ཁ། | .....206 |
| ལྷ་མཁྱིས།       | .....208 |
| ཅངས་པ།          | .....209 |

### ཆ

|           |          |
|-----------|----------|
| ཆོར་ཁྲོན། | .....211 |
| མཆོ་ལྷ་མ། | .....212 |

### ཇ

|              |          |
|--------------|----------|
| ཇི་མ་མིག་ལེ། | .....217 |
|--------------|----------|

### ཉ

|           |          |
|-----------|----------|
| ཉ་འབྲུ་མ། | .....219 |
|-----------|----------|

|                      |     |
|----------------------|-----|
| མི་ར་དག་པ་ལ། .....   | 221 |
| གཟེ་མ། .....         | 222 |
| མིན་ཏིག་ .....       | 224 |
| ཟངས་ཅི་ནག་པོ། .....  | 226 |
| ཟངས་ཅི་དག་པ་ལ། ..... | 228 |

འ

|                  |     |
|------------------|-----|
| འུ་ལ། .....      | 230 |
| འོ་མ་ལ། .....    | 231 |
| འོ་ལ་མོ་ལ། ..... | 232 |

ཡ

|                            |     |
|----------------------------|-----|
| ཡུ་མོ་མ་རེ་ལུ་འབྱེན། ..... | 234 |
| ཡུ་ལུ་ཤིང་དག་པ་ལ། .....    | 235 |
| ཡུང་ལ། .....               | 237 |
| ཡལ་འུ་ལ། .....             | 239 |
| ཡལ་པ་ལ། .....              | 240 |

ར

|                      |     |
|----------------------|-----|
| ར་མ་ཉ། .....         | 242 |
| རེ་མོན་ཅི་དམར། ..... | 244 |
| རི་པོང་ལྷིང་། .....  | 245 |

|               |     |
|---------------|-----|
| རུ་ར། .....   | 247 |
| རེ་ར་ལ། ..... | 249 |

ཁ

|                      |     |
|----------------------|-----|
| ཁི་ཤི .....          | 251 |
| ཁང་ཟང་ཅི། .....      | 253 |
| ཁན་མ། .....          | 254 |
| ལུག་ལུར། .....       | 256 |
| ལུག་རུ་ལྷག་པོ། ..... | 257 |
| ལུག་རུ་ལེར་པོ། ..... | 258 |

ག

|                     |     |
|---------------------|-----|
| ག་ར། .....          | 260 |
| ག་བའི་པོག་ར། .....  | 262 |
| གུ་མོ་ཟ། .....      | 267 |
| ཤིང་མ། .....        | 269 |
| ཤིང་ལུན། .....      | 272 |
| ཤིང་མངར། .....      | 274 |
| ལུ་དག་དག་པ་ལ། ..... | 278 |
| ལུ་དག་ནག་པོ། .....  | 280 |
| ལུག་ཚེར་ཅན། .....   | 282 |

# ཀ

|                         |     |
|-------------------------|-----|
| མི་རྒྱུ་རྒྱུ་རྒྱུ་རྒྱུ་ | 283 |
| མི་བའི་མི་རྒྱུ་         | 285 |
| མི་འབྲུ་                | 286 |
| མུག་མེལ་                | 288 |
| མུམ་རྒྱུ་               | 290 |
| མེད་མེད་                | 291 |
| མེད་མེད་                | 293 |
| མེད་མེད་མི་རྒྱུ་        | 294 |
| མེ་མེད་                 | 296 |
| མུམ་ཀ་བ་                | 297 |
| མོལ་མེད་                | 298 |
| མེ་རྒྱུ་                | 300 |

# ཁ

|          |     |
|----------|-----|
| ཁོང་མེད་ | 301 |
|----------|-----|

# ཁ

|                     |     |
|---------------------|-----|
| ཁ་གར་རྒྱུ་མོ་       | 303 |
| ཁ་བྱུག་ག་ཟེར་འཛོམས་ | 306 |
| ཁ་རྒྱུ་             | 308 |

|                |     |
|----------------|-----|
| ཁ་འབྲུ་        | 311 |
| ཁུག་ཆོས་       | 312 |
| ཁུག་པལ་མེན་པོ་ | 314 |

# བོད་མུག་མུག་མུག་

# ཀ

|                          |     |
|--------------------------|-----|
| ཀོ་ལ་བརྒྱུ་ག་མུག་        | 316 |
| མུ་རྒྱུ་བརྒྱུ་ག་མུག་མུག་ | 317 |
| ཀོ་ལ་བརྒྱུ་དག་           | 318 |
| མུ་རྒྱུ་མོ་མུག་མུག་མུག་  | 319 |
| དག་རྒྱུ་མོ་མུག་          | 320 |
| ཀོ་མུ་མུ་མུག་            | 321 |
| ཀོ་མུ་བརྒྱུ་མོ་མུག་      | 322 |
| ཀོ་མུག་མུག་              | 323 |
| དག་མོ་བརྒྱུ་མུག་མུག་     | 325 |
| ཀོ་ལ་བརྒྱུ་ག་མུག་མུག་    | 326 |
| མུ་མུག་མུག་              | 327 |

ཁ

|                        |          |
|------------------------|----------|
| ཁྲག་གཙང་བརྩ་གསུམ།      | .....328 |
| མཁལ་མང་ཨ་རུ་བརྩ་གསུམ།  | .....329 |
| ཁྲག་མེལ་ཨ་རུ་བརྩ་གཅིག་ | .....330 |
| མཁལ་སྒྲན་ད་ལེས་བརྩུང་  | .....331 |
| ཁྲང་ཚོང་བརྩ་པ།         | .....332 |

ག

|                          |          |
|--------------------------|----------|
| གཤེན་མཚལ་ཉེར་ལཱ་ལི་ལཱ་བ། | .....334 |
| གོ་ལུ་ཉེར་བརྩུང་ལེལ་བ།   | .....335 |
| རྒྱལ་ཚུ་རྒྱལ་པ།          | .....337 |
| མཁལ་འགགས་སྤང་རྒྱུན་      | .....338 |
| གོ་ལུ་དཔུ་ལྷོར།          | .....339 |
| གོ་མང་བརྩ་གཅིག་          | .....340 |

|                            |          |
|----------------------------|----------|
| ཁྲར་ཁྲམ་བརྩུང་པ།           | .....341 |
| སྒྲི་སྒྲན་མེ་འབྲུ་བརྩུང་པ། | .....342 |
| ཁྲུ་ལུ་བརྩུང་པ།            | .....343 |
| རྒྱ་ནག་ལེལ་བ།              | .....344 |
| གམ་ཕྱེ་དམར་པོ་ལི་ལེལ་བ།    | .....345 |
| ཁྲར་ཁྲམ་བརྩུང་གསུམ་ལེལ་    | .....346 |
| སྒྲི་ཉིག་ལེལ་བ།            | .....348 |
| སྒྲི་རྒྱང་ལེལ་བ།           | .....349 |
| སྤང་ཆེན་མོ་ཉིག་བཙོ་        | .....350 |

ཅ

|                           |          |
|---------------------------|----------|
| ཅོང་ཁི་བརྩུང་གསུམ།        | .....352 |
| རྒྱ་གང་བརྩུང་གསུམ།        | .....353 |
| ཅོང་ཁི་ཉེར་ལ།             | .....354 |
| རྒྱ་གང་བརྩུང་པ་ལི་ལེལ་བ།  | .....355 |
| གཅིན་སྒྲི་ཨ་རུ་བཙོ་བརྩུང་ | .....356 |

ཆ

འཆི་མེད་མིན་མེད། .....358

མཆིན་ནད་སྤྱི་མང་། .....359

ག

གཉན་འཛོམས་དཔའ་པོ་  
མཆེད་ལཱ་འི་སྤྲན་མེད། ...360

གཉན་འཛོམས་དཔའ་པོ་  
མཆེད་ལཱ། .....361

གཉན་པོ་བརྟན་སྤྱོད། ...362

སྤྱི་ལོ་བརྟན་པ། .....363

ད

དྲིག་ཏ་ཉེར་ལཱ་འི་སྤྲན་མེད།  
.....364

སྤྲན་པོ་ཉེར་ལཱ་འི་སྤྲན་མེད།  
.....366

སྤྲན་ལཱ་པ། .....367

དྲིག་ཏ་བརྟན་གསུམ། .....368

དྲིག་ཏ་བརྟན་གསུམ་མང་།  
.....369

དྲིག་ཏ་བརྟན་པ། .....370

སྤྲན་པོ་བརྟན་པའི་སྤྲན་མེད།  
.....371

སྤྲན་ལཱ་བཙོ་བརྟན་པའི་སྤྲན་མེད།  
.....373

སྤྲན་ལཱ་པའི་སྤྲན་མེད། .....374

མ

མང་སྤྲན་ལཱ་པ། .....375

ད

རྩ་ཁྲག་པའི་སྤྲན་མེད། .....376

བརྟན་ཉེར་བརྟན་གཅིག་པའི་  
མེད། .....378

དེའུ་དམར་ལཱ་པའི་སྤྲན་མེད།  
གསུམ། .....379

དེའུ་དམར་པའི་འབྲུ་བརྟན་  
གསུམ། .....380

དེའུ་དམར་པའི་མང་བརྟན་  
གསུམ། .....381

དེའུ་མུམ་པའི་མང་པའི་བརྟན་  
གསུམ་མང་། .....382

རྟེན་གྱི་འཛིན་སྐྱོང་བའི་མ་ཁུ་

བཅུ་གསུམ། .....383

ད་མིས་གྲུ་མ་ཐང་། .....385

ད་མིས་བརྟན་པ། .....386

དེ་ལ་ལྷ་བཀའ་ཚར

ཅན། .....387

བདེ་མྱིང་རྒྱལ་པ། .....388

བདེ་མྱིང་དབྱུག་པ། .....389

བརྟན་ཅི་འཆི་གསོས་

རིལ་བ། .....390

བརྟན་ཅི་སྐྱེ་བས་ཚོག་

རིལ་བ། .....391

བརྟན་ཏིག་རིལ་བ། .....392

བརྟན་ཅི་ལྷ་ཚྭ་རྩྭ་

རིལ་བ། .....394

ད་མིས་བརྟན་པའི་རིལ་

བ། .....395

ན

ནམ་རྒྱལ་བཅུ་གསུམ་

ཐང་། .....396

རྩྭ་རྩྭ་གསུམ་རྩྭ་རྩྭ་། .....397

ན་བར་གཏིག་མུན། .....398

པ

དཔའ་མོ་བརྟན་ཚུར།

.....399

ཐང་ཅི་བཅུ་གསུམ་། .....400

ཐང་རྒྱལ་གསུམ་པའི་

རིལ་བ། .....401

པད་རག་མཛོག་ལྷན་རིལ་

བ། .....402

ཐང་ལྷ་བཅུ་གསུམ་

རིལ་བ། .....404

ཐང་ཐུག་བཙོ་བཅུང་

རིལ་བ། .....405

ཐ

འཕུལ་ཐག་རིལ་བ། .....406

ཐག་མོ་གྲུ་བའི་རིལ་བ།

.....408

བ

བྱང་བ་བཅུ་གསུམ་རིལ་

བ། .....409

མོང་དཀར་བཙུག་གཟུམ།

.....410

ཐག་ཐུང་བཙུག་གཟུམ། ...411

ཐག་ཐུན་བཙུག་གཟུམ། ...412

ཐུ་ཐལ་བཙུག་པ། .....414

དབང་ལག་བཙུག་པ། .....415

དབང་པོ་ཀྱན་མེལ། .....416

འཕྲོང་ཅེ་ཨར་བརྒྱད་རིལ་

བ། .....417

མེ་ག་བཙུག་གཟུམ་རིལ་

བ། .....418

འཕོལ་ཐུན་བརྒྱན་པ་རིལ་

བ། .....419

བ

ཐུ་ཉིག་ཉེར་ལེ་རིལ་

བ། .....420

མོ་ནད་མྱི་ཐང་། .....422

མ་ཐུ་བཙུག་གཟུམ་ཐང་། ...423

མེ་ཐུར་བརྒྱད་པ། .....424

ཐུན་མེར་ཆེན་མ། .....425

ཐུན་མེ་བཞི་པ། .....426

ཐུང་ཐུན་ལུ་བཞི་རིལ་

བ། .....427

དམར་པོ་གཟུམ་ཐང་། ...428

ཅ

ཅ་ཆད་མེལ་བཞི་གུར་གུམ་

བརྒྱན་པ། .....429

ཅ་བ་ལུ་པ། .....430

ཅ་ཐུག་ .....431

ཅ་ཐག་བཙུག་ཐུག་རིལ་བ།

.....432

ད

མཛོ་མོ་ཐུག་ཐང་། .....434

ཐ

ཐ་ཐུན་རིལ་བ། .....435

ཁ

ཁི་ཐུང་རིལ་བ། .....436

ཁི་ཉིག་རིལ་བ། .....437

# མ

མངས་དམར་གསུམ་མང་།  
.....438

གཟེ་མ་གསུམ་མང་། .....439

མིན་ཏིག་ཅུ་གང་བརྒྱད་པའི་  
འཛམ་བུ། .....440

མཐང་པོ་ལྷ་བའི་འཛམ་བུ།  
.....442

# ཤ

ཤུ་མང་། .....443

# ཡ

ཡ་བཟ་ར་རྒྱལ་པ། .....444

གཡ་ལྷན་འཛམ་བུ། .....445

གཡ་ཐོག་མང་དམར་  
བརྒྱུ་པ། .....446

# ར

རིམ་མཐུང་ནག་པོ་དགུ་

མྱོང་། .....447

ཅུ་ཏ་བརྒྱུ་པ། .....448

ཅུ་ཏ་བཞི་པ། .....449

ར་མཉེ་བརྒྱུ་བརྒྱུ་པ། .....450

# ལ

ལོང་ལྷན་མེ་འཁྱུ་བརྒྱུ་  
གསུམ་འཛམ་བུ། .....452

ལུག་ལིག་དགུ་པ། .....453

ལོ་ལྷན་འཛམ་བུ། .....454

ལི་ལྷག་འཛམ་བུ། .....456

# ག

གིང་ལྷན་ཉེར་ལ། .....457

གིང་མངར་གསུམ་པ། ...458

གིང་ལྷན་བརྒྱུ་གཅིག་.....459

གིང་མངར་བཞི་མང་། ...460

# ས

སམ་ཅུ་ཉེར་ལྷན་འཛམ་  
བུ། .....461

སངས་ལྷན་ཉེར་གཅིག་

|                           |     |
|---------------------------|-----|
| འཇམ་མཁའ་། .....           | 463 |
| མེ་འབྲུ་བརྒྱ་གསུམ་། ..... | 464 |
| མེ་འབྲུ་བརྒྱ་གསུམ་        |     |
| ཐང་། .....                | 466 |
| ཐུག་ཐེལ་བརྒྱ་གསུམ་། ...   | 467 |
| མེ་འབྲུ་པད་མ་འདབ་         |     |
| བརྒྱད་། .....             | 468 |
| མེ་འབྲུ་བརྒྱད་པ། .....    | 469 |
| མ་འཛིན་བརྒྱད་པ། .....     | 470 |
| མེ་མ་པའི་ཐུན་། .....      | 471 |
| མེ་འབྲུ་དར་གཏུགས་         |     |
| ཅན་། .....                | 472 |
| མེ་འབྲུ་རྒྱག་པ། .....     | 473 |
| མིན་འབྲུ་མེལ་བའི་         |     |
| ཐུན་རིལ་། .....           | 474 |
| ཐོ་ལོ་བརྒྱ་པ། .....       | 475 |
| གཤེར་མདོག་བརྒྱ་           |     |
| གཅིག་.....                | 476 |
| ལུ་ཐུང་རིལ་བ། .....       | 477 |
| མེ་འབྲུ་བརྒྱ་གསུམ་རིལ་    |     |
| བ། .....                  | 478 |

|                       |     |
|-----------------------|-----|
| གཤེར་ཐུང་རིལ་བ། ..... | 480 |
| མེ་འབྲུ་དགུ་པའི་རིལ་  |     |
| བ། .....              | 481 |
| མེ་འབྲུ་ཉི་དགའི་རིལ་  |     |
| བ། .....              | 482 |

### མ

|                        |     |
|------------------------|-----|
| ཐུང་པལ་ཉི་མཁའི་རིལ་    |     |
| བ། .....               | 483 |
| མ་རན་ག་བརྒྱ་གསུམ་། ... | 485 |
| མ་གར་བརྒྱ་དགུ། .....   | 486 |
| མ་ཏུ་བརྒྱ་པ། .....     | 487 |
| མ་ཏུ་བཞི་ཐང་། .....    | 488 |
| མ་གར་བཙུ་ལ། .....      | 489 |
| མ་གར་བརྒྱད་པ། .....    | 490 |
| མ་མ་གཉིས་ཐུང་། .....   | 491 |
| མ་ཤོང་ལ་བ། .....       | 492 |
| མ་ར་བརྒྱད་ཏུ་བརྒྱར་    |     |
| རིལ་བ། .....           | 493 |
| མ་ཏུ་བཙུ་བརྒྱད་རིལ་    |     |
| བ། .....               | 495 |

